Source: Dainik Bhaskar, Delhi; 2nd June 2020; Page: 3

दिल्ली में कोरोना सेस लगाने से शराब की बिक्री में कमी आई

दिल्ली में शराब की ब्रिक्री 58 प्रतिशत घटी, सरकार को 161 करोड़ सेस मिला

दिल्ली में दाम ज्यादा होने से पड़ोसी राज्यों से हो रही है अवैध शराब की ब्रिक्री

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

दिल्ली में शराब के सभी ब्रांड पर 70 प्रतिशत कोरोना सेस लगाने से शराब की ब्रिक्री 58 प्रतिशत घट गई है। यह दावा कन्फैडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेजेज कंपनीज की तरफ से किया गया है। वहीं, दिल्ली सरकार ने 24 दिन में शराब पर कोरोना सेस से करीब 161 करोड़ रुपए की कमाई की है। कन्फैडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेजेज कंपनीज के महासचिव विनोद गिरी ने बताया कि दिल्ली में शराब पर अधिक कोरोना सेस लगाने से ब्रिक्री 58 प्रतिशत घट गई है।

उन्होंने बताया कि इंडियन मेड फॉरेन लीकर (आईएमएफएल) जिसमें व्हिस्की, ब्रांडी, जिन, वोडका, रम की पिछले साल मई माह में 9 लाख पेटी की ब्रिक्री हुई थी, जबकि मई 2020 में यह ब्रिक्री 3.8 लाख पेटी की ही ब्रिक्री हुई है। वहीं, बीयर की पिछले साल मई माह में 18 लाख पेटी बिकी थी, जबकि इस साल मई माह में सिर्फ 1 लाख 20 हजार पेटी की ब्रिक्री ही हुई है। गिरी ने कहा कि यह गिरावट शराब पर अत्यधिक कोरोना सेस लगाने से बढ़ी कीमत के कारण है। वहीं, गिरी ने बताया कि पड़ोसी राज्यों ने भी शराब पर सेस लगाया है, लेकिन वह 10 से 15 प्रतिशत के बीच ही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा दूसरा कारण दिल्ली में अत्यधिक दाम होने से आसपास के राज्यों से अवैध शराब लाकर ब्रिक्री होना भी है।

सरकार को 24 दिन में 161 करोड़ कोरोना सेस मिला

दिल्ली सरकार ने शराब पर लगाए 70 प्रतिशत स्पेशल कोरोना सेस से 24 दिनों में 161 करोड़ रुपए मिले है। दिल्ली सरकार ने 4 मई से 30 मई तक 234 करोड़ 54 लाख 52 हजार 485 रुपए की शराब बेची। 7 मई और 25 मई को ड्राय डे के चलते शराब की दुकानें बंद थी। दिल्ली सरकार ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए 5 मई को शराब के सभी ब्रांड की एमआरपी पर 70 प्रतिशत कोरोना सेंस लगा दिया था। इसके बाद दिल्ली सरकार ने 30 मई तक 24 दिन में 230 करोड़ 5 लाख 25 हजार 200 रुपए कुल शराब बेची। इस पर अलग से 70 प्रतिशत कोरोना सेंस करीब 161 करोड़ 3 लाख 67 हजार 709 रुपए लिया गया।